खत्म होने को है इंतजार ● उत्तर प्रदेश में एनसीआर से बिहार और मेरठ से हरिद्वार तक जुड़ेगा एक्सप्रेसवे का नेटवर्क

नए साल में उम्मीदों का नया गंगा एक्सप्रेसवे

जागरण टीम, लखनऊ : पश्चिम से पूरब को कनेक्ट करने वाले 594 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे की शुरुआत के लिए इंतजार की घड़ियां समाप्त होने वाली हैं। यूपीडा को उम्मीद है कि जनवरी के अंतिम अथवा फरवरी में यह यातायात संचालन के लिए तैयार होगा। इसे इसी साल दो नवंबर को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। प्रदेश के पश्चिमी छोर मेरठ से पूरब के प्रवेश द्वार प्रयागराज के बीच बिना रुकावट रफ्तार की मंशा से बन रहा गंगा एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी के लिए तो सुगम होगा ही, प्रदेश की आर्थिकी और सामाजिक नजरिए से भी लाभप्रद होने जा रहा है। प्रदेश की अब तक की सबसे लंबी और महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना उन क्षेत्रों को जोड़ेगी जो मुख्यधारा के परिवहन नेटवर्क से दूर थे।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत यह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे छह लेन का बन रहा है, जिसे आवश्यकता होने पर आठ लेन का बनाया जा सकेगा। यह 12 जिलों से होकर गुजरेगा और 519 गांवों व शहरों जैसे–मेरठ, बुलंदशहर, बदायूं-शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, प्रयागराज तक बनेगा। भविष्य में यह मेरठ से प्रयागराज के बीच दूरी तय करते हुए वाया बुलंदशहर लिंक मार्ग से एनसीआर में ग्रेटर नोएडा स्थित जेवर एयरपोर्ट से सीधे जुड़ेगा। बीच में यह आगरा एक्सप्रेसवे से फर्रुखाबाद में जुड़ेगा। लिंक रोड बनाकर इसे बुंदेलखंड और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़कर एनसीआर से बिहार तक कनेक्टीविटी दी जानी है। योगी सरकार ने पिछले बजट में गंगा एक्सप्रेसवे के हरिद्वार तक विस्तार की घोषणा की है। दो कुंभनगरियों को कनेक्ट किए जाने की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) पर काम शुरू हो चुका है।

खास बात यह कि वायु सेना के विमानों की आपातकालीन लैंडिंग के लिए इसमें 3.5 किलोमीटर लंबी एयरस्ट्रिप भी बनाई गई है। एक्सप्रेसवे को औद्योगिक गलियारों के रूप में विकसित करने की योजना को भी मूर्त रूप देने के उद्देश्य से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी मेरठ में शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 दिसंबर, 2021 को इस एक्सप्रेसवे का शिलान्यास शाजहांपुर में किया था। इसके माध्यम से यह कोशिश है कि मेरठ की खेल सामग्री, कैंचियां, हैंडलूम, पावरलूम के उत्पाद, कृषि उपकरण और चीनी आसानी से पूर्वी उत्तर प्रदेश तक पहुंच जाए और ठीक उसी तरह पूर्वी उप्र से प्रसंस्करण इकाइयों के लिए कच्चा माल व अन्य उत्पाद भी कम लागत-कम समय में पश्चिम के शहरों तक आ सकें। मेरठ में 506 हेक्टेयर भूमि पर औद्योगिक गलियारा विकसित होना है। साथ ही मेरठ और पश्चिम उत्तर प्रदेश की जनता की हाई कोर्ट तक पहुंच भी आसान होगी। अभी प्रयाग जाने में लगभग 10 से 12 घंटे का समय लगता है। इसके शुरू होने पर यही दूरी छह-सात घंटे में पूरी होगी। गंगा एक्सप्रेसवे चार भागों में बन रहा है। मेरठ से बदायूं तक के 130 लंबे पहले भाग का कार्य लगभग पूर्ण है, केवल हापुड़ जनपद के सिंभावली में रेलवे ओवरब्रिज एप्रोच रोड का काम अधूरा है। संचालक एजेंसी आइआरबी के परियोजना निदेशक अनूप कुमार का कहना है कि इस माह सभी कार्य समाप्त हो जाएंगे।

चौथे और अंतिम भाग उन्नाव से प्रयागराज तक है, जिसकी दूरी 156 किलोमीटर से अधिक है। प्रयागराज मंडल के दो जिलों से 56 किलोमीटर तक निर्माण हो रहा है। इसमें प्रतापगढ़ में 41 और प्रयागराज में 15 किलोमीटर है। हरदोई में इसकी कुल लंबाई सौ किलोमीटर और रायबरेली में 77 किलोमीटर है। दो प्रमुख टोल प्लाजा का निर्माण मेरठ और प्रयागराज में किया गया है। गंगा एक्सप्रेसवे पर 120 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से वाहन फर्राटा भर सकेंगे।

प्रस्तुति : स्टेट डेस्क

120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकेंगे वाहन

130 किलोमीटर है मेरठ से बदायूं तक का पहला भाग

156 किलोमीटर का है उन्नाव से प्रयागराज का चौथा भाग

2 मुख्य टोल प्लाजा मेरठ और प्रयागराज में बन रहे

36229.67 करोड़ पूर्ण लागत

गंगा एक्सप्रेसवे

उप्र के संचालित एक्सप्रेसवे

दो कुंभ नगरी प्रयागराज और हरिद्वार को जोड़ेगा एक्सप्रेसवे

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों की हाई कोर्ट तक पहुंच आसान होगी, अब यह दूरी छह-सात घंटे में तय हो सकेगी।
- बुंदेलखंड और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़कर बिहार तक बढ़ेगी कनेक्टीविटी।
- प्रयागराज और हरिद्वार, दो कुंभ नगरी को जोड़ने के लिए बन रही है प्रोजेक्ट रिपोर्ट।
- मेरठ में 506 एकड़ भूमि पर औद्योगिक गलियारा विकसित करने की है तैयारी।
- गंगा एक्सप्रेसवे फर्रुखाबाद में आगरा एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा, लिंक रोड बनाकर इसे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा।

आगरा एक्सप्रेसवे	: 302.222 किमी
पूर्वांचल एक्सप्रेसवे	: 340.824 किमी
बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे	: 296.070 किमी
यमुना एक्सप्रेसवे	: 165.500 किमी

गांवों की चमकेगी किस्मत, बनेंगे औद्योगिक कारिडोर

प्रयागराज और प्रतापगढ़ के बीच 56 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण से क्षेत्र के 300 गांवों की तस्वीर बदलने वाली है। यह एक्सप्रेसवे सोरांव के जूझापुर दादू गांव से एनएच-19 से जुड़ते हुए प्रतापगढ़ तक जाएगा। इसके दोनों किनारों पर औद्योगिक कारिडोर विकसित होगा। कृषि, वाणिज्य, पर्यटन और उद्योगों में भी तेजी आएगी। लाजिस्टिक्स पार्क और कृषि-आधारित उद्योग विकसित किए जाएंगे। एक्सप्रेसवे पर्यावरण अनुकूल है। इसके किनारों पर पौधे लगाए जाएंगे और बिजली आपूर्ति के लिए सोलर पावर प्लांट स्थापित होगा। इसी तरह मेरठ में भी औद्योगिक गलियारा विकसित होगा।

92 प्रतिशत कार्य पूरा

8 प्रतिशत शेष है काम

फ्लाईओवर	छोटे ब्रिज	रेलवे ओवर ब्रिज
32 बनने थे	165 बनने थे	07 बनने थे
29 बन चुके	159 बन चुके	06 बन चुके
03 निर्माणाधीन	06 निर्माणाधीन	01 निर्माणाधीन